कन्हैयालाल हत्याकांड के आरोपी 'रियाज' व 'गौस' ने नेपाल भागने की फिराक में थे

एनआईए की पूछताछ में दोनों आरोपियों ने किये कई और खुलासे

उदयपुर, (कासं)। बहुचर्चित कन्हैयलाल हत्याकाण्ड के दोनों मुख्य अभियुक्तों को उदयपुर तस्दीक पर लाने के बाद कई और खुलासे हुए है। इन अभियुक्तों ने हत्या करने के बाद नेपाल भागने की तैयारी कर रखी थी।एनआई के की जांच में यह जानकरी सामने आई। इसके लिए उन्होनें दो प्लान तैयार किए थे। अभियुक्तों का पहला प्लान था जिसमें हत्या करने के बाद राजसमन्द होकर अजमेर पहुंच कर वहां दरगाह में ठहरने के बाद सड़क मार्ग से यूपी व बिहार होते हुए नेपाल जाने की योजना थी। दूसरा प्लान वीडियो वायरल नहीं करते तो कुछ दिन उदयपुर में बिताने के बाद नेपाल जाते।

सूत्रों के अनुसार अभियुक्तों रियाज अत्तारी एवं गोस मोहम्मद ने किसी कारण से अजमेर वाले रूट से भाग नहीं पाने की स्थिति में दूसरा प्लान तैयार कर रखा था। जिसके तहत घटना के बाद उदयपुर में अभियुक्तों के दो जगह रुकने की योजना थी। हालांकि घटना के बाद दोनों ने दूसरे प्लान को रद्द कर दिया। क्योंकि दोनों ने हत्या के बाद सोशल मीडिया पर वीडियो वायरल कर वरदात करना कबूल लिया था। ऐसे में उदयपुर में रुकना उनके लिए आसान नहीं था। अभियुक्त अजमेर से होते हुए कुछ दिन बिहार या हैदराबाद जाने वाले थे। वहां से नेपाल जाने वाले थे।

हत्याकाण्ड के बाद कैसे वीडियो बनाया जाए और रियाज को फैक्ट्री में जाकर वीडियो शूट करना था किसी तरह से वीडियो बनाने, उसमें हथियार दिखाते तथा वायरल करने की भी पूरी

- **मामले में एनआईए अब तक नौ लोगों को गिरफ्तार कर चुकी है**

प्लानिंग की थी। वीडियो वायरल होने के बाद फरार होने के दौरान बाइक व कपड़ों का विशेष ध्यान रखा गया। जिससे उनकी पहचान न हो सके। इसके बाद वे बाइक पर उदयपुर से राजसमन्द होकर अजमेर जाना शामिल था। जहां कुछ दिन रुकने के बाद हैदराबाद या फिर बिहार जाते। जहां से उन्हे एक व्यक्ति नेपाल जाने के लिए मदद करता।

अभियुक्तों के दूसरे प्लान में यह तय था कि यदि किसी तरह अजमेर के रास्ते नहीं भाग पाए तो उदयपुर शहर में ठहरना होगा। इसके लिए आरोपियों ने दावते इस्लाम संगठन से जुड़े दो लोगों के घर रुकने की योजना बनाई थी। ये दोनों लोग रियाज के दूर के रिश्तेदार थे। जिन्हें यह पता नहीं था कि रियाज व गौस क्या करने वाले है और कब घर आकर रुकेंगे लेकिन वीडियो वायरल होने के बाद यह योजना फेल हो गई। कन्हैयालल की रैकी करते समय रियाज ने रिश्तदारों को उनके घर रुकने की इच्छा जताई थी। जिन्हें कहा था कि धर्म प्रचार में नया काम में आपकी मदद लेंगे तथा जरूरत होगी तो घर रुकेंगे।

दोनों रिश्तेदारों ने रियाज को धार्मिक काम करते देखा था इसलिए रुकने की हामी भर दी थी। एनआईए ने दोनों रिश्तेदारों से पूछताछ की लेकिन उनके कन्हैया हत्याकाण्ड में शामिल होने के सुराग नही मिलने पर उन्हें छोड़ दिया। पूछताछ में अभियुक्तों ने बताया कि हत्याकाण्ड को अंजाम देने के बाद उन्होंने उदयपुर में रुकने की स्थिति में शहर के खांजीपीर एवं मल्लातलाई को चिन्हित कर रखा था। क्यों की दोनों मुस्लिम बाहुल्य इलाके हैं दोनों इन इलाकों एवं लोगों से परिचित थे।

उल्लेखनीय है कि गत 28 जून को उदयपुर शहर के मालदास स्ट्रीट में कन्हैयालाल टेलर की धारादार हथियार से अभियुक्तों ने हत्या कर दी थी तथा हत्या की जिम्मेदारी लेकर वीडियो वायरल किया था। इस मामले में एनआईए अब तक नो लोगों को गिरफ्तार कर चुकी है।

अवैध कटाई रोकने गए वनकर्मियों और होमगार्ड जवानों पर हमला

जब्त की गई जेसीबी मशीन को हाथापाई कर छुड़ाया

बीकानेर, (कासं)। खाजूवाला में सीमावर्ती चक 36 केजीडी की आरडी 153-155 क्षेत्र में खाजूवाला की नहरों के किनारे माफिया अवैध रूप से पेडों को काटकर चोरी कर ले जा रहे थे। बेरिंयावाली रेंज के रेंजर मोहनलाल मीणा ने बताया कि देर रात सवा 1 बजे वन अधिकारियों को केजेड़ी नहर में अवैध पेडों को काटने की सूचना मिली थी, जिस पर वन विभाग के अधिकारी होमगार्ड के जवानों के साथ पहुंचे और पकड़ने का प्रयास किया। मगर अवैध वन माफिया ट्रैक्टर रेहड़ा भगा ले गए। वहीं विभाग ने जेसीबी मशीन को जब्त कर वन अधिनियम में मामला दर्ज कर लिया। फिर वन विभाग बेरिंयावाली रेंज के अधिकारियों ने जेसीबी मशीन को रविवार सुबह खाजूवाला रेंज में ले जाने के लिए रवाना हुए।

दोपहर में जैसे ही खाजूवाला के

- **वन विभाग की रिपोर्ट पर एफआईआर दर्ज कर जांच शुरू**

राजीव सर्किल चौराहा पहुंचे तो जेसीबी मालिक दो-तीन अन्य युवकों के साथ बाइक पर मौके पर पहुंचा और हाथापाई कर वन विभाग के कार्मिकों व होमगार्ड के जवानों को नीचे धकेल दिया। इसके बाद वन माफिया ने होमगार्ड जवानों को कुचलने के प्रयास किया और भीड़ का फायदा उठाकर जेसीबी ले भागा। हालांकि वन विभाग के उड़न दस्ते ने पीछा कर जेसीबी मशीन सहित आरोपियों को पकड़ने का प्रयास किया, लेकिन वह विभाग की गाड़ी को जेसीबी मशीन का पंजा दिखाकर कुचलने की कोशिश की। वन विभाग बेबस नजर आया और जेसीबी लेकर भागे आरोपी हाथ नहीं लग पाये। हालांकि बेरिंयावाली वन विभाग द्वारा खाजूवाला पुलिस थाना में अनिल सियाग पर राजकार्य में बाधा व राजकीय संपत्ति को लूटने सहित नहर से सरकारी लकड़ी चोरी की रिपोर्ट दी है।

खाजूवाला थानाधिकारी अरविंद सिंह शेखावत ने बताया कि वन विभाग की रिपोर्ट पर एफआईआर दर्ज कर जांच शुरू की गई है। खाजूवाला के केजेड़ी क्षेत्र में वन विभाग द्वारा लगाए गए पेडों को काटने, ट्रैक्टर रेहड़े में लकड़ी चोरी करने, मारपीट कर जेसीबी वन विभाग के कब्जे से छुड़ा ले जाने व होमगार्ड के कार्मिकों को कुचलने सहित राजकार्य में बाधा पहुंचाने का मामला दर्ज करवाया हैं।

करौली में फॉरेस्ट गार्ड 22 हजार रु. रिश्वत लेते रंगे हाथ गिरफ्तार

करौली/हिण्डौन सिटी, (कासं)। एसीबी मुख्यालय के निर्देश पर करौली इकाई द्वारा सोमवार को कार्यवाही करते हुये राजेन्द्र सिंह वनरक्षक नाका फैलीपुरा रेंज हिण्डौन को परिवादी से 22 हजार रुपये की रिश्वत लेते हुये रंगे हाथों गिरफ्तार किया है।

भ्रष्टाचार निरोधक ब्यूरो के महानिदेशक भगवान लाल सोनी ने बताया कि एसीबी की करौली इकाई को परिवादी द्वारा शिकायत दी गई कि वन क्षेत्र में मिट्टी खुदाई का केस नहीं बनाने की एवज में मासिक बंधी के रूप में राजेन्द्र सिंह वनरक्षक तत्कालीन नाका फैलीपुरा रेंज हिण्डौन हाल कार्यालय क्षेत्रीय वन अधिकारी रेंज मण्डरायल

- **आवास एवं अन्य ठिकानों पर तलाशी जारी**

एवं अन्य कार्मिकों द्वारा 22 हजार रुपये की रिश्वत राशि मांगकर परेशान किया जा रहा है। इस पर एसीबी भरतपुर के उप महानिरीक्षक पुलिस कालूराम रावत के सुपरविजन में एसीबी की करौली इकाई के उप अधीक्षक पुलिस अमर सिंह के निर्देशन में शिकायत का सत्यापन किया गया।

उनकी टीम द्वारा ट्रेप कार्यवाही करते हुये राजेन्द्र सिंह पुत्र रामसिंह गुर्जर निवासी बड़ागांव पुलिस थाना सलेमपुर तहसील महवा जिला दौसा, हाल वनरक्षक तत्कालीन नाका फैलीपुरा रेंज हिण्डौन हाल कार्यालय क्षेत्रीय वन अधिकारी रेंज मण्डरायल को परिवादी से 22 हजार रुपये की रिश्वत राशि लेते रंगे हाथों गिरफ्तार किया गया है। प्रकरण में अन्य कार्मिकों की संलिप्तता की जांच की जा रही है। एसीबी के अतिरिक्त महानिदेशक दिनेश एमएन के निर्देशन में आरोपी के निवास अन्य ठिकानों की तलाशी एवं पूछताछ जारी है। एसीबी द्वारा मामले में भ्रष्टाचार निवारण अधिनियम के अन्तर्गत प्रकरण दर्ज कर अग्रिम अनुसंधान किया जायेगा।

सूरतगढ़ थर्मल की तीन इकाइयां शुरू

सूरतगढ़, (निसं)। प्रदेश में लगातार छाए बिजली संकट और लगातर विद्युत उत्पादन में हो रही गिरावट के बीच सूरतगढ़ थर्मल से एक अच्छी खबर आई है। लोड डिस्पैच सेंटर के निर्देश पर बंद पड़ी सूरतगढ़ थर्मल की तीनों इकाइयों को शुरू कर दिया गया है। इन तीनों इकाइयों के शुरू होने से सूरतगढ़ थर्मल में कुल 6 इकाइयों में से 5 इकाइयों से विद्युत उत्पादन शुरू हो गया है। वहीं एक इकाई तकनीकी खामी के चलते पिछले काफी समय से बंद पड़ी है, जिसके भी जल्द शुरू होने की संभावना है।

सूरतगढ़ थर्मल के मुख्य अभियंता एस.पी. बंसल ने बताया कि सूरतगढ़ थर्मल की तीन, पांच और छह नंबर इकाई पिछले काफी समय से चल रही थी। जिनमें तकनीकी खामी आने के कारण ये इकाइयां ट्रिप हो गईं थी। हालांकि इन इकाइयों के ट्रिप होने के थोड़ी देर बाद ही दुरुस्त कर दिया गया था लेकिन लोड डिस्पैच सेंटर से अनुमति नहीं मिलने पर यह इकाइयां 3 दिनों तक बंद रहीं।

रविवार को लोड डिस्पैच सेंटर से निर्देश मिलने के बाद इन तीनों इकाइयों को सिंक्रोनाइज किया गया। इससे तीनों इकाइयों से विद्युत उत्पादन शुरू हो गया। मुख्य अभियंता एस.पी. बंसल ने बताया कि इन तीनों इकाइयों के शुरू होने के बाद अब कुल पांचों इकाइयों से 1000 मेगावाट बिजली उत्पादन हो रहा है।

कारागृह से फरार दूसरा बंदी भी गिरफ्तार

बांसवाड़ा, (निसं)। जिला कारागृह से फरार तीन बंदियों में से पुलिस ने दूसरे फरार बंदी को भी गिरफ्तार कर लिया है अब एक अन्य की तलाश जारी है। कोतवाली थानाधिकारी रतन सिंह चौहान ने बताया कि 9 जून को जेल प्रहरी शक्ति सिंह ने रिपोर्ट दी कि 8 जून को रात्रि में 3 बंदी रोशनदान की खिडकी के पास थाली से खुदाई कर जेल फांदकर फरार हो गये थे। अनुसंधान का जिम्मा एएसआई दीपक कुमार को सौंपा गया।

मामले की गंभीरता को देखते हुए जिला पुलिस अधीक्षक राजेश कुमार मीना ने बंदियों की त्वरित गिरफ्तारी के निर्देश दिये एवं सीमावर्ती क्षेत्रों में नाकेबंदी कराकर तीन पुलिस टीमों का गठन किया गया। एएसपी कानसिंह भाटी एवं पुलिस उप अधीक्षक सूर्यवीर सिंह राठौड तथा घाटोल के पुलिस उप अधीक्षक कैलाशचंद्र के निर्देशन में टीम गठित की गई। घटना के दिन देर रात्रि में पुलिस उप अधीक्षक वृत्त घाटोल कैलाशचंद्र एवं थानाधिकारी मोटागांव की टीम ने जेल से फरार प्रवीण पुत्र कमलेश निनामा निवासी मुंगाणा को सागोली गांव से गिरफ्तार कर लिया।

शेष फरार आरोपियों की गिरफ्तारी के लिए जिला पुलिस एवं जेल प्रशासन द्वारा सतत प्रयास किये जा रहे थे। मुखबीर की सूचना एवं तकनीकि अनुसंधान के लिये जेलर हेमंत सालवी के निर्देशन में जेल प्रहरी मुकेश कुमार ने विश्वसनीय सूत्र से शेष फरार आरोपी कमलेश पुत्र मानसिंह निवासी छोटी विजोरी पुलिस थाना पाटन के बारे में जानकारी ली। अभियुक्त कमलेश के अनंत चतुर्दशी पर्व पर घर पर चुपके से आने की सूचना मिली। जिस पर अनुसंधान अधिकारी दीपक कुमार ने थानाधिकारी पाटन कांतिलाल को अभियुक्त के बारे में सूचित किया। जिस पर उपनिरीक्षक कांतिलाल ने मय जाप्ते के फरार आरोपी कमलेश को उसके घर से रात्रि में दबिश देकर डिटेन किया एवं पुलिस थाना कोतवाली को सुपुर्द किया।

अभियुक्त ने बताया कि जेल से भागने के बाद वह रतलाम होते हुए ट्रकों में बैठकर सूरत, दमन आदि शहरों में लगभग तीन महीनों तक मजदूरी करता रहा और घर आया कि पुलिस की दबिश में पकडा गया। गिरफ्तारी में विशेष योगदान देने वाले जेल प्रहरी मुकेश कुमार को पुलिस अधीक्षक ने पुरस्कृत करने के लिए अभिशंसा की है।

अजमेर के रचित ने फतह किया अफ्रीका का माउंट किलिमंजारो

अजमेर, (कासं)। अजमेर निवासी रचित अग्रवाल ने अफ्रीका महाद्वीप की सबसे ऊंची चोटी माउंट किलिमंजारो पर फतह हासिल की है। उन्होंने तंजानिया की उहुरू चोटी पर तिरंगा लहराया। उहुरू पीक की ऊंचाई समुद्र तल से 5 हजार 895 मीटर या 19 हजार 341 फीट है। रचित ने तंजानिया से बताया कि किलिमंजारो पर्वत दुनिया का चौथा सबसे ऊंचा पर्वत है। इसकी चढ़ाई एकदम खड़ी है।

उन्होंने बताया कि 62.5 किलोमीटर की दूरी 6 से 7 दिन में पूरी की। वहां का तापमान माइनस 13 डिग्री सेल्सियस होने के कारण उनको कई परेशानियों का सामना करना पड़ा। पीने का पानी जम जाता था। अजमेर के नया बाज़ार में रहने वाले रचित ने मुंबई की आईआईटी से बीटेक किया है और वह बेंगलूर की एक कंपनी में जॉब करते है। रचित ने बताया कि उनके पिता मुकेश ढाणी और माता संतोष ढाणी से यह

- **अफ्रीका की सबसे ऊंची चोटी उहुरू पीक पर लहराया तिरंगा**
- **उहुरू पीक की ऊंचाई समुद्र तल से 5 हजार 895 मीटर है**

प्रेरणा मिली और पत्नी शेवता के सहयोग से यह सपना पूरा कर पाए है।

रचित ने माउंट किलिमंजारो पर चढ़ाई की पूर्व तैयारी के लिए नियमित रूप से 1 घंटे जिम और कई किलोमीटर साइकिल चलाने के साथ साथ दस किलो का भार लेकर दस बारह मंजिल चढ़ ते उतरते थे। एक बार 14 घंटे में 250 किमी साईकिल से दूरी तय की ताकि उन्हें अफ्रीका में हाइकिंग करते हुए कोई परेशानी न हो। यह करने के साथ ही फिटनेस का खासा ध्यान रखते थे।

भारी मात्रा में अवैध शराब जब्त

करौली, (निस)। जिला स्पेशल टीम एवं मासलपुर थाना पुलिस ने अवैध शराब सहित एक जीप जप्त कर ली है। जीप से अवैध शराब की 13 पेटियों में 428 पव्वे एवं तीन कार्टूनों में 36 बीयर की बोतलो को जप्त करने में सफलता हासिल की है। जिला स्पेशल टीम प्रभारी मनीष शर्मा ने थाना अधिकारी मासलपुर को सूचना दी कि करौली की तरफ से एक मेजर जीप भारी मात्रा में अवैध शराब लेकर मासलपुर की तरफ आ रही है। डीएसटी टीम मेजर जीप का पीछा कर रही है। इस पर जिला स्पेशल टीम करौली एवं थाना मासलपुर ने संयुक्त कार्यवाही करते हुए अवैध शराब से भरी हुई मेजर जीप को लैदोर खुर्द मोड़ के पास नाकाबंदी करते हुए बताया। जीप चालक से नाम पता पूछा तो उसने अपना नाम भूपेंद्र सिंह निवासी उत्तर प्रदेश होना बताया। भूपेंद्र सिंह से शराब परिवहन करने के लिए अनुज्ञा पत्र मांगा तो कोई कागजात नहीं होना बताया । मेजर जीप के अंदर रखी अवैध शराब की पेटियो व जीप को जब्त कर एक्साइज एक्ट के तहत मामला दर्ज कर लिया है।

जवाई बांध के पानी के लिए धरना जारी, बाजार बंद रहे

पाली, (निसं)। पाली जिले के जवाई बांध में पर्याप्त पेयजल आरक्षित रखने की मांग को लेकर कलेक्ट्रेट के बाहर धरना जारी है। पाली में जवाई बांध के पानी के बंटवारे को लेकर विवाद चल रहा है। एक तरफ किसान फसलों की सिंचाई के लिए पानी मांग रहे है। वहीं सेवा और संकल्प महासमिति के बैनर तले जल जागरण अभियान समिति ओर से पीने का पानी आरक्षित करने की मांग की जा रही है। समिति के आहवान पर बाजार बंद रखा गया। दुकान बंद कर व्यापारियों ने भी पानी की मांग की।

दरअसल पाली के लोगों ने पिछले साल पानी के संकट का सामना किया था, लेकिन इस बार मानसून मेहरबान रहा। जवाई बांध में भरपुर पानी आया है। अब पानी के सही बंटवारे को लेकर दो पक्ष आमने-सामने हो गए है। एक पक्ष किसानों का है। 6 दिन पहले किसान नेता जयेन्द्र सिंह कलथनी के नेतृत्व में जवाई जल यात्रा में सुमेरपुर और आहोर कमांड

जवाई बांध में पर्याप्त पेयजल आरक्षित रखने की मांग को लेकर कलेक्ट्रेट के बाहर धरना जारी रहा।

क्षेत्र के सैकड़ों किसानों ने पैदल कलेक्ट्रेट पर आकर प्रदर्शन किया था। किसानों ने चेताया था कि खेतों तक पर्याप्त पानी नहीं पहुंचा तो घरों तक पानी नहीं पहुंचने देंगे। वहीं दूसरी ओर जल जागरण अभियान समिति पीने का पानी मांग रही है। सेवा व संकल्प समिति के आहवान पर आज बाजार बंद रहा। पाली कलेक्ट्रेट के बाहर सेवा और संकल्प महासमिति की ओर से धरना-प्रदर्शन किया गया।

- **सेवा संकल्प समिति अध्यक्ष बोले- किसानों के दुश्मन नहीं, लेकिन हमारे हक का पानी नहीं छोड़ेंगे**

महासमिति के अध्यक्ष जबरसिंह राजपुरोहित सहित अन्य वक्ताओं ने कहा कि वे किसानों के दुश्मन नहीं हैं लेकिन पीने के लिए पानी चाहिए। फिर से पानी के संकट के हालात न बने इसलिए जरूरी है कि जवाई बांध में 49 फीट तक पानी रिजर्व रखा जाए। धरने पर जबर सिंह राजपुरोहित बाबूलाल देया, मांगीलाल गांधी, ताराचंद टॉक, लवर कंवर राठौड़, घनश्याम सहित कई कार्यकर्ता मौजूद थे।

सड़क हादसे में बुझे एक ही परिवार के तीन चिराग

पति-पत्नी का एक ही चिता पर किया दाह संस्कार

पावटा, (निसं)। निकटवर्ती ग्राम पंचायत लाडाकाबास निवासी सुल्तान भांकरिया व उनकी धर्म पत्नी कल्ली देवी व पोती देवांशी का थानागाजी के समीप रोड दुर्घटना में मौत हो गई।

सोमवार की शाम थानागाजी बिहारीसर गांव से दोस्त से मिलकर लौट रहे बुजुर्ग दंपति एवं पोती वापस लौटते समय ढिगारिया गांव गुगा की बनी के पास घुमाव पर विराटनगर की ओर से आ रही पिकअप गाडी एवं बाइक की टक्कर में बाइक सवार महिला कल्ली देवी पत्नी सुल्तान यादव तथा तीन वर्षीय पोती दिव्यांशी की मौके पर ही मौत हो गई। वहीं बाइक चालक सुल्तान यादव गंभीर रूप से घायल हो गया। जिसे नजदीकी स्वास्थ्य केंद्र थानागाजी लाया गया जहां चिकित्सकों ने गंभीर हालत देखते हुए बुजुर्ग को जयपुर के लिए रैफर किया। जिसकी जयपुर जाते समय विराटनगर के पास मौत हो गई।

हादसे के दौरान पिकअप गाडी पलट गई तथा चालक मौके से फरार हो गया। गांव लाडाकाबास के एक ही परिवार के तीन लोगों की मौत की खबर सुनकर सन्नाटा पसर गया। वही ग्राम पंचायत लाडाकाबास पूर्व सरपंच मदन यादव ने मौके पर पहुँचकर उनकी शिनाख्त कर पुलिस के सहयोग से पोस्टमॉर्टम कराकर

पति-पत्नी का एक ही चिता पर दाह संस्कार किया गया।

शव परिजनों को सौंप दिए। जहां दोनों का एक ही चिता पर दाह संस्कार किया गया।

हादसे के बाद से पूरे गांव में मातम पसर गया है। मृतक सुल्तान भांकरिया के दो लडकियां एक लडका है। दोनों बच्चे अभी छोटे है। मौके पर विधायक प्रतिनिधि राजेश गुर्जर, ग्राम पंचायत लाडाकाबास पूर्व सरपंच मदन यादव, बलराम, छाजु, जगदीश, गुलाराम, बाबूलाल सहित जन जनप्रतिनिधि व ग्रामीण मौजूद रहे।

खाद की किल्लत को लेकर सौंपा ज्ञापन

महुवा, (निसं)। किसानों को आ रही खाद की समस्या को लेकर अध्यक्ष किसान संघ रामखिलाड़ी मीना के नेतृत्व में उपखंड अधिकारी को ज्ञापन सौंपा गया। ज्ञापन में उन्होंने बताया कि सरसों की फसल बोने का समय आ गया है और कोऑपरेटिव सोसायटीओं पर खाद उपलब्ध नहीं है।

क्षेत्र के किसानों की जमीन के लिए जिस मात्रा में खाद उपलब्ध होना चाहिए था उतना नहीं मिल रहा है। डीलरों के पास में भी खाद उपलब्ध नहीं है। जिससे कि किसानों को खाद की आपूर्ति नहीं हो रही है और उन्हें इस मजबूरी में कहीं ना कहीं कालाबाजारी से खाद महंगी दर खरीदना पड़ रहा है। उन्होंने किसानों की समस्याओं को ध्यान में रखते हुए सभी कोऑपरेटिव सोसायटीओ पर खाद उपलब्ध करवाएं जाने की मांग की है। और महुवा के लिए खाद का अलॉटमेंट प्रत्येक रेक पर लगभग 500 टन करवायें जिससे कि क्षेत्र के किसानों की समस्या का स्थाई समाधान हो और समय पर उन्हें उचित रेट पर खाद मिल सके ।

किसान नेता बनवारी लाल सांथा ने बताया कि किसानों में इस खाद की किल्लत को लेकर के भारी आक्रोश है। दो दिवस के अंदर इस समस्या का समाधान करें अन्यथा किसान सड़क पर उतरेगा और एक बहुत बड़ा आंदोलन किया जाएगा। इस मौके पर पूर्व कृषि ऊपज मंडी चैयरमैन सीताराम समलेटी व अन्य लोग मौजूद रहें।

मालपुरा पालिका अध्यक्ष की कुर्सी बनी राजनीति का अखाड़ा

आमजन को नही मिल रहा फलैगशिप योजनाओं का लाभ

मालपुरा, (निसं)। राजस्थान उच्च न्यायालय के न्यायधीश महेन्द्र कुमार गोयल द्वारा भाजपा की सोनिया सोनी को राज्य सरकार द्वारा निलम्बन किये जाने के 4 मई के आदेशों को रद्द कर बहाली के आदेश जारी करने व न्यायालय के आदेशों पर सोनिया सोनी द्वारा रिज्यूम कर 1 सितम्बर को विधिवत पार्षदों व शहरवासियों की उपस्थिति में पुन: अध्यक्ष पद का कार्यभार संभालने के बावजूद व न्यायालय के आदेशों को 26 दिन बीत जाने के बावजूद भी राज्य सरकार व डीएलपी द्वारा विभागीय आदेश जारी नहीं करने के चलते सरकार की फ्लैगशिप योजनाओं का आमजन को लाभ नही मिलने का मामला आया सामने आया है।

मामले के अनुसार फरवरी 2021 में भाजपा से निर्वाचित पालिका अध्यक्ष बनी सोनिया सोनी को राज्य सरकार व डीएलपी द्वारा 4 मई 2022 को एक आदेश जारी कर पालिका कार्यो में पति के हस्तक्षेप का हवाला देते हुए निलम्बन के आदेश जारी किये गये। पालिका अध्यक्ष की सीट ओबीसी महिला वर्ग के लिए होने के चलते कांग्रेस पार्षद व महिला कांग्रेस प्रदेश उपाध्यक्ष आशा नामा को सरकार ने 60 दिन के लिए पालिका अध्यक्ष का पदभार संभालने के लिए 6 सितम्बर

सोनिया सोनी

को आदेश जारी किये गये थे। सोनिया सोनी ने अपने निलम्बन आदेशो को न्यायालय मे चुनौती दी। लेकिन प्रदेश मे कांग्रेस सरकार के ईशारे पर डीएलपी डायरेक्टर हृदेश कुमार द्वारा बार-बार कांग्रेस की आशा नामा का कार्यकाल बढाने के आदेश जारी करने का क्रम जारी रहा। 24 अगस्त को न्यायधीश महेन्द्र गोयल की पीठ ने सभी पहलुओं की सुनवाई के बाद सोनिया सोनी का निलम्बन आदेश रद्द कर उसे बहाल किये जाने के आदेश दिये जाने व सोनिया द्वारा पदभार रिज्यूम किये जाने एवं 6 सितम्बर को आशा नामा का कार्यकाल समाप्त हो जाने के बावजूद न्यायालय के आदेशो को नजर अंदाज

- **चार माह से पट्टा वितरण सहित विकास कार्य ठप**
- **26 दिन बाद भी राज्य सरकार सोनिया सोनी को नहीं दे रही विभागीय आदेश**

कर महज राजनैतिक घटनाक्रम के चलते 26 दिन बाद भी सोनिया सोनी को विधिवत विभागीय आदेश जारी नही करने से मालपुरा शहर का विकास पूर्ण रूप से ठप हो गया। रोजमर्रा के कार्यो के लिए भी आमजन पालिका मे चक्कर लगा रहा है।

बीते 4 माह से चल रहै घटनाक्रम व अध्यक्ष की कुर्सी को राजनीति का अखाडा बना देने के चलते ना तो पट्टा वितरण किया जा सका और ना ही सरकार की फलैगशिप योजनाओं का आमजन को कोई लाभ भी नही मिल रहा है। कार्यवाहक ईओ देशराज मीणा द्वारा कोर्ट के आदेशो के बावजूद सोनिया सोनी को अध्यक्ष का कार्यभार संभलाने के बजाय 2 सितम्बर को विभाग से मार्गदर्शन चाहे जाने का पत्र प्रेषित किया था। जो कि आज भी विचाराधीन है। जिसके चलते आमजन व राजनैतिक गलियारे मे बार-बार एक ही सवाल उठ रहा है कि आखिर कौन है मालपुरा नगरपालिका अध्यक्ष। डीएलपी के विभागीय आदेश जारी नही होने के चलते पार्षदो व आमजन मे बढते आक्रोश के चलते बीते दिनो इंद्रा गांधी शहरी रोजगार गारन्टी योजना एवं नवीन इंद्रा गांधी रसोई के शुभारम्भ समारोह मे पार्षद व आमजन के नही पहुंचने से सरकार की दोनो ही फलैगशिप योजनाओं का शुभारम्भ महज कागजी खानापूर्ति रहा।

शहरवासियो व पार्षदो से निकली चर्चा मे सामने आया कि कांग्रेस सरकार जानबुझकर राजनैतिक द्वेषता से भाजपा की बहाल हुई सोनिया सोनी को विभागीय आदेश नही दे रही है। जिसके विरूद्ध अगले दो दिन में धरना प्रदर्शन जैसे आयोजनो की रणनीति बनाई गई है। तो सोनिया सोनी ने कहा कि वो शहर का विकास कर सरकार की योजनाओं का आमजन को लाभ देना चाहती है लेकिन प्रदेश की कांग्रेस सरकार व डीएलपी द्वारा जानबुझकर उन्है विभागीय आदेश नही दिये जा रहै है।